

प्रेषक,

वी. के. पाठक,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,
पिथौरागढ़।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्बास

विषय:-

जनपद पिथौरागढ़ में दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त विभागीय परिसम्पत्तियों के मरम्मत एवं पुर्ननिर्माण कार्यों की वर्ष 2005-06 में व्यय की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

देहरादून दिनांक 19 जनवरी, 2006

उपर्युक्त विषयक आपके प.सं.- 326/तेरह-/05-06 दिनांक 23.11.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद पिथौरागढ़ में दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त विभागीय परिसम्पत्तियों के मरम्मत एवं पुर्ननिर्माण के 2 कार्य हेतु रु0 10.62 लाख के आगगन के तकनीकी परिक्षणोपरान्त टी.ए.सी. द्वारा सस्तुत लागत के अनुसार रु0 10,62,000/- (रु0 दस लाख बासठ हजार मात्र) की लागत के आगगन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति देते हुए इतनी ही धनराशि के व्यय की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 1- आगगन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण कर संबंधित विभाग के अधीक्षण अनियन्ता से दरों की स्वीकृति कार्य कराने से पूर्व अवश्य ली जाय।
- 2- कार्य कराने से पूर्व सनस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को नध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों /विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सन्पादित कराते सनय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 3- कार्य कराने से पूर्व कम से कम अधीक्षण अनियन्ता स्तर के अधिकारी स्थल का निरीक्षण कर लें, तथा यह सुनिश्चित करें कि आगगन में जो प्राविधान इंगित किये गये हैं वह स्थल की आवश्यकतानुसार हैं अथवा नहीं, स्थल आवश्यकतानुसार ही कार्य कराना सुनिश्चित करें।
- 4- कार्य कराने से पूर्व स्थल आवश्यकतानुसार विस्तृत/ नानचित्र गठित कर सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त कर लें, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय एवं वित्तीय नियमों का पालन कड़ाई से किया जाय एवं जिन आगगनों में स्लिप लिया गया है, कार्य कराने से पूर्व माप पुस्तिका से रिकार्ड मेजरमेंट इंगित अवश्य कराये जाय, तथा इसका सत्यापन अधि0अभि0 स्वयं करें।
- 5- आगगन में जिन मदों हेतु जो राशि आंकलित/स्वीकृत की गई है। व्यय उसी मद में किया जाय, एक मद की राशि दूसरे मदों में किसी भी दशा में न किया जाय। इसका पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण ईकाई का होगा।
- 6- स्वीकृत धनराशि कार्यदायी संस्था को अवमुक्त करने से पूर्व जिलाधिकारी द्वारा पुनः यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त कार्य दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त है। भारत सरकार के दिशा निर्देशों से आच्छादित है। सूची में जो कार्य नये हो, उक्त कार्य को निरस्त कर शासन को शीघ्र अवगत कराया जाय।
- 7- कार्य प्रारम्भ से पूर्व जिलाधिकारी द्वारा यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त कार्य हेतु किसी अन्य विभागीय बजट से कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की गई है, यदि प्राप्त हुई है तो उसको समायोजित करते हुए अवशेष धनराशि को इस धनराशि में से व्यय की जायेगी तथा जिलाधिकारी

द्वारा धनराशि निर्माण संस्था/ विभाग को तब ही अवमुक्त की जायेगी, जब इस बात की लिखित रूप में पुष्टि हो जाये।

8- दैवी आपदा राहत निधि से कृत कार्यों का यथास्थान चिन्हांकन कर इसकी लागत, निर्माण एजेंसी का नाम, कार्य प्रारम्भ व अन्त करने की तिथि का अंकन कर दिया जायेगा।

9- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता के लिए संबंधित निर्माण एजेंसी/ अधिरासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

10- उक्त कार्य इसी लागत में पूर्ण कर लिए जायेंगे, और इन पर लागत में कोई पुनरीक्षण अनुनय नहीं होगी। कार्य कराते समय नियमानुसार टेण्डर के नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

11- कार्य प्रारम्भ करने एवं कार्य सम्पन्न होने के पूर्व क्षतिग्रस्त कार्ययोजनाओं की फोटो लेकर जिलाधिकारी को उपलब्ध करा दी जायेगी, ताकि कार्य की सत्यता का प्रमाणीकरण किया जा सके।

12- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2006 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/ भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो वो शासन को समर्पित कर दी जायेगी।

13- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्यय अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखा शीर्षक 2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-05 आपदा राहत निधि-आयोजनेत्तर 800-अन्य व्यय-01-केंद्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिर्धारित योजनायें-01 राष्ट्रीय आपदा राहत निधि से व्यय-42- अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

14- यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा. संख्या- 33/वित्त अनु0 5/2006 दिनांक 18.01.2006 में प्राप्त सहनति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न-यथोपरि

भवदीय,

(वी. के. पाठक)

अपर सचिव

संख्या एवं दिनांक उपरोक्त

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, नाजरा, देहरादून।
- 2- अपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग।
- 3- अपर सचिव, नियोजन विभाग।
- 4- कोषाधिकारी, पिथौरागढ़।
- 5- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री कार्यालय।
- 6- निजी सचिव, मा. अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, राज्य आपदा राहत समिति, उत्तरांचल।
- 7- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 8- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- वित्त अनुभाग-5,
- 10- धन आवंटन संबंधी पत्रावली।
- 11- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(वी. के. पाठक)

अपर सचिव